भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 393
दिनांक 03 दिसम्बर 2025 / 12 अग्रहारण, 1947 (शक) को उत्तर के लिए

पंजाब में बाढ़ का मूल्यांकन

393 श्री सतनाम सिंह संधू:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने जनहानि, अवसंरचना तथा कृषि से संबंधित नुकसान को सम्मिलित करते हुए वर्ष 2025 में पंजाब में आई बाढ़ का समग्र आकलन किया है; और

(ख) पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू और कश्मीर के बीच बांध के पानी को छोड़ने के लिए अंतर राज्यीय समन्वय और बाढ़ की पूर्व चेतावनी प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा कौन-कौन से उपाय किए जा रहे हैं ?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री नित्यानंद राय)

(क): यह मंत्रालय किसी भी आपदा के कारण हुए जान-माल के नुकसान से संबंधित आंकड़ों का केंद्रीय रूप से रखरखाव नहीं करता है। हालाँकि, पंजाब राज्य सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 2025 के दौरान जल-मौसम संबंधी आपदाओं के कारण 27 नवंबर 2025 तक 40 लोगों की जान गई, 7161 मवेशी मारे गए, 14065 घर और 1.93 लाख हेक्टेयर फसल क्षेत्र को नुकसान पहुँचा है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीति (एनपीडीएम) के अनुसार, जमीनी स्तर पर राहत सहायता के वितरण सहित आपदा प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकारों की है। राज्य सरकारें बाढ़ और भूस्खलन सहित प्राकृतिक आपदाओं के मद्देनजर, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित मदों और मानदंडों के अनुसार, उनके पास पहले से उपलब्ध राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) से राहत प्रदान करती हैं।

राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 393, दिनांक 03.12.2025

केंद्र सरकार, राज्य सरकारों के प्रयासों में सहयोग करती है और आवश्यक रसद एवं वित्तीय सहायता प्रदान करती है। 'गंभीर प्रकृति' की स्थिति में, निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) से अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें एक अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल (आईएमसीटी) के दौरे पर आधारित आकलन भी शामिल है।

पंजाब में 2025 के मानसून के दौरान आने वाली बाढ़ के मद्देनजर, केंद्र सरकार उच्चतम स्तर पर बाढ़ की स्थिति की निगरानी कर रही है। माननीय प्रधानमंत्री ने 9 सितंबर, 2025 को राज्य के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। आपदा के दौरान बचाव और राहत कार्यों के लिए राज्य में एनडीआरएफ की कुल 35 टीमें तैनात की गई हैं। इसके अलावा, केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से ज्ञापन की प्रतीक्षा किए बिना, नुकसान का मौके पर जाकर आकलन करने के लिए 01.09.2025 को एक आईएमसीटी का गठन किया। इस टीम ने 3 से 6 सितंबर 2025 तक राज्य के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया।

(ख): देश में प्राकृतिक आपदाओं के प्रभावी प्रबंधन के लिए उपयुक्त तैयारी और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करने हेतु राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर सुस्थापित संस्थागत तंत्र मौजूद हैं।

गृह मंत्रालय अंतर एजेंसी समन्वय को सुविधाजनक बनाने के लिए त्वरित बचाव और राहत कार्यों के लिए टीमों, उपकरणों और अन्य संसाधनों को जुटाने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), सशस्त्र बलों, संबंधित मंत्रालयों और राज्यों के साथ समन्वय करता है।

सरकार ने पुरानी बाढ़ की समस्याओं के समाधान के लिए कई कदम उठाए हैं। बार-बार बादल फटने और अचानक बाढ़ आने के मद्देनजर भारी वर्षा की घटनाओं के कुशल और सटीक पूर्वानुमान तंत्र को मजबूत करने के लिए बाढ़ प्रबंधन नीतियों में संशोधन सहित ये कदम उठाए गए हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) तथा अन्य हितधारकों ने मिलकर सभी प्रकार की भारी वर्षा से प्रेरित बाढ़ों से संबंधित वास्तविक समय पूर्वानुमान और चेतावनी सूचना उत्पन्न करने के लिए अंतर-संचालनीय वातावरण लागू किया है। आईएमडी, अत्याधुनिक संख्यात्मक मौसम आधारित (एनडब्ल्यूपी) पूर्वानुमान और रडार आधारित नाउकास्ट प्रणाली का उपयोग करके, सीडब्ल्यूसी को प्रेक्षित और

राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 393, दिनांक 03.12.2025

पूर्वानुमानित वर्षा के आंकड़े और चेतावनियाँ प्रदान करके सहायता प्रदान करता है। आईएमडी द्वारा वर्तमान में वर्षा-प्रेरित आकस्मिक बाढ़ संबंधी सभी चेतावनियाँ, आईएमडी में कार्यरत एक आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन प्रणाली (एफएफजीएस) का उपयोग करके प्रदान की जाती हैं। एफएफजीएस बुलेटिन, अचानक आने वाली बाढ़ के लिए, प्रेक्षित और पूर्वानुमानित वर्षा, मिट्टी की नमी की स्थिति और नदी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, परिचालनात्मक रूप से जारी किए जाते हैं। एफएफजीएस बुलेटिन, अचानक आने वाली बाढ़ की पूर्व सूचना देने में मदद करता है। फ्लैश फ्लड गाइडेंस एक मजबूत प्रणाली है जिसे वास्तविक समय में आवश्यक उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए डिज़ाइन किया गया है, ताकि लगभग 6-24 घंटे पहले फ्लैश फ्लड के लिए चेतावनियां विकसित की जा सकें।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) संबंधित राज्य सरकारों को चिन्हित स्थानों पर 24 घंटे तक की अग्रिम अवधि के साथ अल्पकालिक बाढ़ पूर्वानुमान जारी करता है। सीडब्ल्यूसी उचित जलाशय विनियमन के लिए चिन्हित जलाशयों में अंतर्वाह पूर्वानुमान भी जारी करता है। सीडब्ल्यूसी वर्तमान में देश के प्रमुख नदी घाटियों के लिए अखिल भारतीय 1डी वर्षा-आधारित गणितीय मॉडलिंग के माध्यम से अपने वेब पोर्टल https://aff.india-water.gov.in/ पर सात दिवसीय सलाहकार बाढ़ पूर्वानुमान प्रदान कर रहा है।

सीडब्ल्यूसी द्वारा तैयार बाढ़ पूर्वानुमानों को बाढ़ पूर्वानुमान वेबसाइट (https://ffs.india-water.gov.in/)/फ्लडवॉच इंडिया 2.0 ऐप/ई-मेल/व्हाट्सएप/फेसबुक (CWCOfficial.FF)/X (ट्विटर-CWCOfficial_FF), 'सीडब्ल्यूसी बाढ़ अपडेट' (यूट्यूब चैनल), एनडीएमए सचेत पोर्टल के माध्यम से सीएपी अलर्ट के माध्यम से सभी हितधारकों तक प्रसारित किया जाता है।

पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर राज्यों में बाढ़ पूर्वानुमान स्टेशनों की सूची अनुलग्नक-I में दिए गए विवरण के अनुसार संलग्न है।

****

अनुलग्नक I/पृ-1

जम्मू और कश्मीर, पंजाब और हिमाचल प्रदेश में केंद्रीय जल आयोग के बाढ़ पूर्वानुमान केंद्र का विवरण

1. **जम्मू और कश्मीर**

स्तर पूर्वानुमान स्टेशन			
क्र.सं.	स्टेशन का नाम	जिला	नदी/सहायक नदियों का नाम
1	राममुंशीबाग	श्रीनगर	झेलम
2	संगम	अनंतनाग	झेलम
3	सफापोरा	बांदीपोरा	झेलम

अंतर्वाह पूर्वानुमान स्टेशन			
क्र.सं.	स्टेशन का नाम	जिला	नदी/सहायक नदियों का नाम
कोई अंतर्वाह पूर्वानुमान स्टेशन उपलब्ध नहीं है			

इसके अलावा, जम्मू और कश्मीर में 28 जल विज्ञान अवलोकन स्टेशन हैं, जहां से जल-मौसम संबंधी आंकड़े एकत्र किए जाते हैं।

2. हिमाचल प्रदेश

स्तर पूर्वानुमान स्टेशन			
क्र.सं.	स्टेशन का नाम	जिला	नदी/सहायक नदियों का नाम
1	पोन्टा साहिब	सिरमौर	यमुना

अंतर्वाह पूर्वानुमान स्टेशन			
क्र.सं.	स्टेशन का नाम	जिला	नदी/सहायक नदियों का नाम
कोई अंतर्वाह पूर्वानुमान स्टेशन उपलब्ध नहीं है			

इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश में 26 जल विज्ञान अवलोकन केंद्र हैं, जहाँ से जल-मौसम संबंधी आंकड़े एकत्र किए जाते हैं।

3. पंजाब

अंतर्वाह पूर्वानुमान स्टेशन			
क्र.सं.	स्टेशन का नाम	जिला	नदी/सहायक नदियों का नाम
कोई अंतर्वाह पूर्वानुमान स्टेशन उपलब्ध नहीं है			

अंतर्वाह पूर्वानुमान स्टेशन			
क्र.सं.	स्टेशन का नाम	जिला	नदी/सहायक नदियों का नाम
97	रणजीत सागर बांध	पंजाब	रावी

इसके अलावा, पंजाब में 4 जल विज्ञान अवलोकन स्टेशन हैं, जहां से जल-मौसम संबंधी आंकड़े एकत्र किए जाते हैं।